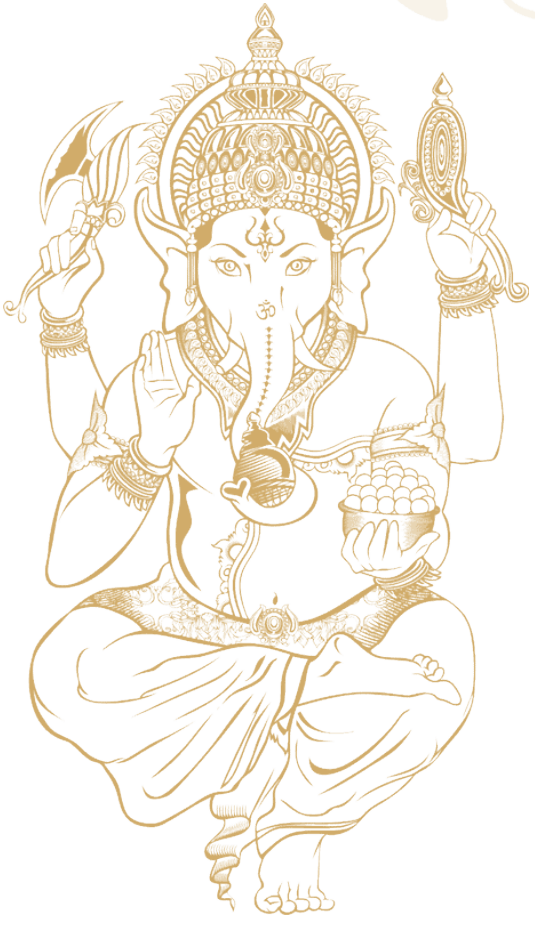

Sh. Purushotam Sharma

05 Mar 2026

12:51 PM

Panipat

Model: web-freekundliweb

Order No: 121485303

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/03/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**12:51:00 घंटे**
इष्ट	15:17:50 घटी
स्थान	**Panipat**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:24:00 उत्तर
रेखांश	76:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:28:52 घंटे
वेलान्तर	-00:11:30 घंटे
साम्पातिक काल	23:21:06 घंटे
सूर्योदय	06:43:51 घंटे
सूर्यास्त	18:23:53 घंटे
दिनमान	11:40:02 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	20:29:56 कुम्भ
लग्न के अंश	09:47:24 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	गण्ड
करण	गर
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पू-पुरुषोत्तम
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	09:47:24	325:02:04	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	---
सूर्य			कुंभ	20:29:56	01:00:05	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	12:26:00	12:47:17	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	07:54:44	00:47:16	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	24:44:29	00:54:46	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
गुरु	व		मिथु	20:55:07	00:01:09	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	04:21:15	01:14:41	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	उच्च राशि
शनि			मीन	08:01:00	00:07:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:44:51	00:00:37	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:44:51	00:00:37	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:36:29	00:01:30	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:58:32	00:02:12	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:25:21	00:01:33	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	25:11:48	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:29

लग्न-चलित

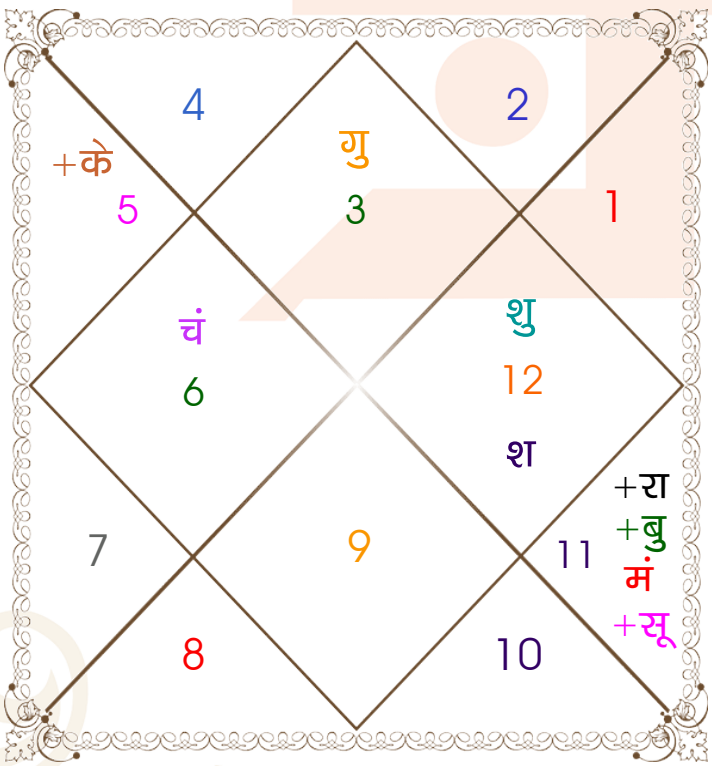

चन्द्र कुंडली

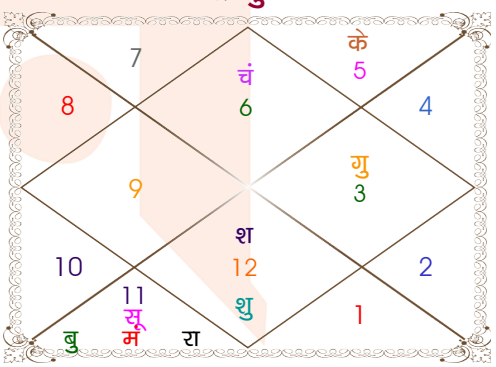

नवमांश कुंडली

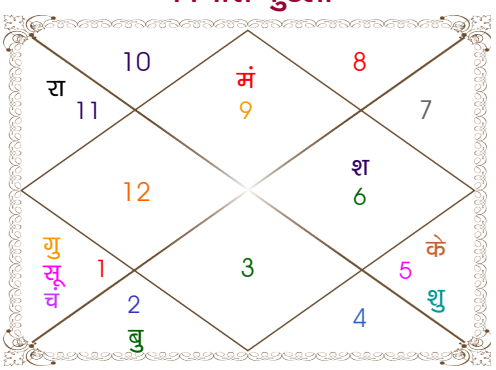

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 8 वर्ष 2 मास 3 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
05/03/2026		08/05/2034		08/05/2041		08/05/2059		08/05/2075	
08/05/2034		08/05/2041		08/05/2059		08/05/2075		08/05/2094	
	00/00/0000	मंगल	04/10/2034	राहु	19/01/2044	गुरु	25/06/2061	शनि	11/05/2078
	05/03/2026	राहु	23/10/2035	गुरु	14/06/2046	शनि	07/01/2064	बुध	18/01/2081
राहु	08/04/2027	गुरु	28/09/2036	शनि	19/04/2049	बुध	14/04/2066	केतु	27/02/2082
गुरु	07/08/2028	शनि	06/11/2037	बुध	07/11/2051	केतु	21/03/2067	शुक्र	29/04/2085
शनि	08/03/2030	बुध	04/11/2038	केतु	24/11/2052	शुक्र	19/11/2069	सूर्य	11/04/2086
बुध	08/08/2031	केतु	02/04/2039	शुक्र	25/11/2055	सूर्य	07/09/2070	चंद्र	10/11/2087
केतु	08/03/2032	शुक्र	01/06/2040	सूर्य	19/10/2056	चंद्र	07/01/2072	मंगल	19/12/2088
शुक्र	06/11/2033	सूर्य	07/10/2040	चंद्र	20/04/2058	मंगल	13/12/2072	राहु	26/10/2091
सूर्य	08/05/2034	चंद्र	08/05/2041	मंगल	08/05/2059	राहु	08/05/2075	गुरु	08/05/2094

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
08/05/2094		09/05/2111		09/05/2118		09/05/2138		08/05/2144	
09/05/2111		09/05/2118		09/05/2138		08/05/2144		00/00/0000	
बुध	04/10/2096	केतु	05/10/2111	शुक्र	07/09/2121	सूर्य	27/08/2138	चंद्र	09/03/2145
केतु	01/10/2097	शुक्र	04/12/2112	सूर्य	08/09/2122	चंद्र	25/02/2139	मंगल	08/10/2145
शुक्र	02/08/2100	सूर्य	11/04/2113	चंद्र	08/05/2124	मंगल	03/07/2139	राहु	06/03/2146
सूर्य	08/06/2101	चंद्र	10/11/2113	मंगल	09/07/2125	राहु	27/05/2140		00/00/0000
चंद्र	08/11/2102	मंगल	09/04/2114	राहु	08/07/2128	गुरु	15/03/2141		00/00/0000
मंगल	05/11/2103	राहु	27/04/2115	गुरु	09/03/2131	शनि	25/02/2142		00/00/0000
राहु	24/05/2106	गुरु	02/04/2116	शनि	09/05/2134	बुध	01/01/2143		00/00/0000
गुरु	29/08/2108	शनि	12/05/2117	बुध	09/03/2137	केतु	09/05/2143		00/00/0000
शनि	09/05/2111	बुध	09/05/2118	केतु	09/05/2138	शुक्र	08/05/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 8 वर्ष 2 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।